पटना महानगर

खास्य मंत्री ने किया विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास

अस्पताल में केन्द्रीय पशु आवास भवन का शिलान्यास, एलपीएम मशीन का उद्घाटन

(आज समाचार सेवा)

पटना। आईजीआइएमएस में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के द्वारा विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन किया है।इसके साथ ही संस्थान में केन्द्रीय पशु आवास भवन का शिलान्यास किया गया। केन्द्रीय पशु आवास भवन में विभिन्न जानवरों पर शैक्षणिक शोध किया जाएगा, ताकि विमारियों के ईलाज़ में नई दवा का खोज किया जा

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री पाडेय ने कहा कि आईजीआईएमएस में उच्च गुणवत्ता के साथ ईलाज व शोध की कड़ी में ये सारे काम किये जा रहे है।इसका सीधा फायदा राज्य के गरीब मरीजों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि आईजीआइएमएस अब कोविड से लड़ाई लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अस्पताल में सभी सुविधाएं उपलब्ध है। किसी चीज की कमी नहीं है। अस्पताल में पीएसए अथवा लिक्वड नाईट्रोजन प्लांट पूरी व्यवस्था

अस्पताल के अधीक्षक डा.मनीष मंडल ने कहा कि फॉरेन्सिक मेडिसिन

किया गया। जो कि पीएम केयर के अंतर्गत डीआरीओ की देखरेख में एलएनटी द्वारा बनाया गया है। इसकी



विभाग में शव गृह का जीणोंधार कर लागत लगभग 1.2 करोड़ की प्रति दो ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन भी

नवीनीकरण किया गया। अब यहां एक प्लांट है। ये दो प्लांट अस्पताल के वार्ड बार में दस शवों को वातानुकृतित कर ब्लाक एवं ऐनेक्सी वार्ड ब्लॉक में कई दिनों तक रखा जा सकता है। निर्वाध रूप से चौबीस घंटे ऑक्सीजन इसके अलावा एक हजार एलपीएम के की सप्लाई करेगी। उन्होंने बताया कि अस्पताल में महिला छात्रावास का भी

जीर्णोधार एवं नवीनीकरण 1.6 करोड़ की लागत से किया गया है। इनमें सौ बेड की मेडिकल छात्राओं की रहने की व्यवस्था के साथ-साथ उनके खेलकृद व खानपान की भी पूर्ण व्यस्था की गई है। उन्होंने बताया कि माइक्रोबायोलॉजी विभाग में एनलीए मशीन का भी उद्घाटन हुआ है। इस मशीन से डुग रजिस्टेंट टीबी के बारे में पता चलता है कि किस टीवी के मरीज में कौन-सी टीबी की दवा चलेगी।

अस्पताल के निदेशक डा.एनआर विश्वास ने कहा कि हमारी कोशिश यह है कि मरीजों को उच्च गुणवत्ता के साथ बेहतर इलाज की हर व्यवस्था सस्ते दर पर अस्पताल द्वारा मुहैया करायी जाएं। मौके पर अस्पताल के उपनिदेशक डा.विभृति प्रसन्न सिन्हा, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा.रंजीत गृहा, डा.कृष्ण गोपाल, डा.अमन कुमार, डा.नम्रता कुमारी, डा.शैलेन्द्र सिंह, डा.राकेश कुमार सहित कई चिकित्सक मौजूद रहे।

नई दवाओं की खोज के लिए पशुओं पर होगा परीक्षण

आईजीआईएमएस

पटना वरीय संवाददाता

आईजीआईएमएस में पशुओं पर नई दवाओं का परीक्षण का रास्ता साफ हो गया है। जल्द ही यहां केंद्रीय पशु आवास गृह का निर्माण पूरा हो जाएगा।

शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने पशु आवास गृह का शिलान्यास किया। उन्होंने दो ऑक्सीजन प्लांट, एक एसी शव गृह का भी उद्घाटन किया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आईजीआईएमएस में अब मरीजों को ऑक्सीजन की कमी नहीं होगी। वहीं दसरी ओर शवगृह में लंबी अवधि तक 10 शवों को सुरक्षित रखा जा सकेगा। इस अवसर पर उन्होंने टीबी मरीजों के

- 2.4 करोड़ की लागत से दो नए ऑक्सीजन प्लांट के शुरू हुए
- मरीजों को 24 घंटे ऑक्सीजन की आपूर्ति हो सकेगी

इलाज के लिए लगाए गए एलपीए मशीन का भी उद्घाटन किया। बिहार में यह चौथी एलपीए मशीन है। इस अवसर पर अस्पताल के निदेशक डॉ. एनआर विश्वास, अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल, डॉ. कृष्ण गोपाल, उपनिदेशक डॉ. विभृति प्रसन्न सिन्हा, नम्रता कुमारी व अन्य कई चिकित्सक मौजूद थे। डॉ. मनीष मंडल ने बताया कि पशु आवास गृह में रखे जाने वाले जानवरों पर मेडिकल छात्र परीक्षण करेंगे। इन पर नई दवाओं का परीक्षण भी होगा।



आईजीआईएमएस में पशु आवास गृह के शिलान्यास में पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय। इस दौरान उन्होंने ऑक्सीजन प्लांट, एक एसी शव गृह का भी उद्घाटन किया।



पटना, रविवार 6.02.2022

all medical colleges.

larly been working to strenginitiative, Pandey said the genetic makeup. and their effect on animals es required by the medical researchers for trial of drugs pigs and those other varieti rats, rabbits, monkeys, wild Describing it as a great

then the health system in me-At IGIMS, it will have ved

city, installed under PM CA there, each of 1000 LPM capa-The minister also in augurated two PSA oxygen plants effects, he said, dical colleges to primary he-alth centres and now has moanimals could lead to new ved to promote medical research at IGIMS. Trial on indings on drugs and their

veloped mortuary with deep cine department and the defreezer facility for preserva the renovated forensic medi total oxygen requirement. wholly self-dependent for its plants would make IGIMS Fund. He said these

tion of ten bodies at a time, IGIMS medical superin-Pandey also inaugurated this machine would prove veresistant TH samples by reve logy department. He said say machine in the microbio-

in testing of drug

Biswas, deputy director Dr VP Sinha, principal Dr Ranjit Guha and others were also

IGIMS director Dr

Commission guidelines for mal house is mandatory as per the National Medical se of medical research. Anihouseat IGIMS for the purpoconstruction of an animal laid the foundation stone for Mangal Pandey on Saturday Patna: Health minister

electrical appliances engineering section of cum-workshop for the opened a storehouse-The health minister machines, furniture, and and maintenance of the institute for repair

> tendent Dr Manish Mandal said the existing mortuary their kin for any reasons. number of casualties and de-lay in receiving the bodies by insufficient in case of larger had space for preserving four bodies only and it appeared

The health minister also tion to preserve the bodies in day, thus creating problems for the IGIMS administranessed several casualties in a The Covid waves had witcing lab of the institute wo-uld also coordinate in the research work by carrying out

mals. The

genome sequen

proper upkeep of the ani

of machines, furniture and workshop for the enginee-ring section of the institute electrical appliances. for repair and maintenance of test animals. investigations on the genome The minister also in augu storehouse-cum-

inaugurated a line probe as-

More Pressure Swing Adsorption O2 Generating Plants Made Functional staff have been recruited for and veterinary doctors and malethical committee has al ready approved it at IGIMS Dr Mandal said the ani

पांच सुविधाओं का किया गया उद्घाटन

अब रिसर्च के लिए चूहे गिलहरी व खरगोश रहेंगे आइजीआइएमएस में ही



नयी सुविधाओं का उद्घाटन करते स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय

संवाददाता 🗅 पटना

Ainister lays stone for animal house at IGIM!

आप जो दवा खा रहें वह कितनी कारगर है, दवा का साइड इफेक्ट तो नहीं होगा, कौन-सी दवा का किस बीमारी में सही इस्तेमाल होगा. इन सब की जानकारी के लिए आइजीआइएमएस के फॉरीसंक व फार्माकोलॉजी विभाग की ओर से रिसर्च जारी है. रिसर्च के लिए चूहे, गिलहरी, खरगोश, बिल्ली, आदि छोटे जानवरों को पहले दवाएं दी जाती हैं. ऐसे में रिसर्च का दायरा बढ़ाने के लिए संबंधित जानवरों के परिसर में ही रहने का इंतजाम किया जायेगा. इसके लिए शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने केंद्रीय पशु आवास भवन का शिलान्यास किया. संबंधित भवन दो मंजिला होगा, जो अगले डेढ साल के अंदर बन कर तैयार हो जायेगा. इसके बाद यहां काफी संख्या में रिसर्च के लिए जानवर एक साथ परिसर में ही रह सकेंगे.

पांच नयी सुविधाओं का उदघाटन शिलान्यास के अलावा स्वास्थ्य मंत्री ने पांच नयी सुविधाओं का उद्घाटन किया. इसमें फॉरीसंक विभाग में शव गृह, दो ऑक्सीजन प्लांट, महिला छात्रावास, टीबी मरीजों की जांच लिए माइक्रोबायोलॉजी विभाग में एलपीए मशीन सहित पांच नवी सुविधाओं का उद्घाटन किया गया.

घंटे भर में पता चलेगा टीबी है या नहीं

आइजीआइएमएस के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ मनीष मंडल ने बताया कि 1.6 करोड़ रुपये की लागत से महिला छात्रावास का जीर्णोद्धार किया गया . प्रति प्लांट 1.2 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है . उन्होंने बताया कि संस्थान में टींबी मरीजों के इलाज की आधुनिक सुविधा उपलब्ध है . ऐसे में अब एलपीए मशीन के आ जाने से समय पर लक्षण का पता चल जायेगा , जबकि अब तक टीबी के लक्षण जांचने के लिए एक से तीन दिन का समय लगत वा. नयी मशीन से यह मशीन घंटे भर में जांच कर टीबी के लक्षणो को बता देगी. कार्यक्रमं के मौके पर विघायक संजीव चौरसिया. संस्थान के निदेशक डॉ एनआर विश्वास सहित अस्पताल के सभी डॉक्टर आदि लोग मौजूद थे.

वहीं उद्घाटन भाषण में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कोरोना आदि गंभीर मरीजों की मौत के बाद परिजनों को शव तत्काल ले जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था. लेकिन शव गृह बन जाने से अब शह को गृह में रहने के लिए जगह मिल जायेगी.



5 करोड़ की मिली स्वीकृति, अलग-अलग विभागों के लिए मेंटेनेंस पर किया जाएगा खर्च, हॉस्टल में 100 बेड की व्यवस्था सूरत बदलने को खर्च होंगे ₹7.12 कर दो ऑक्सीजन प्लांट से 24 केंद्रीय पशु आवास भवन

इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) पटना के रिपेयर व मेंटेनेंस पर 7.12 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए जाएँग। रुपए स अध्यक्त खाव नगर जारेंट्स संस्थान की ओर से अलग-अलग विभागों के रिपेयर के लिए बजट बनाकर विभाग को सींपा यथा था इनमें से 5 करोड़ रुपए खार्च करने की स्वीकृति विभाग ने दे दी है। होषा वीर का वाहन संस्थान अपने आंतरिक स्त्रोत से करेंगे। योजना के अनुसार निर्संग कोलेंग पर 10 लाख रुपए, मेडिकल कॉलेज पर 15 लाख खर्च किए जाएंगे। स्टेट कैसर इंस्टिट्यूट

पर 22 लाख रुपर खर्च होंगे। इसके अलावा अन्य विभागों पर खर्च किए जाएंगे। एनेस्थेसियोलॉजी विभाग पर सबसे अधिक 65 लाख रुपर खर्च सबसे ऑक्ट 55 लाग रूप वर्ष किए जाएं। इंपनटी पर 35 लाख, इमजेंबी व ट्रांग यूनेट पर 48 लाख रूप खर्च होंगे। गुडियोलांजी विभाग के लिए 52 लाख रूप धर्च का प्रस्टीमेंट बनाया ज्ञा है। कुल 7 करोड़ 12 लाख 50 हजार रूप का अकट अलग-अरग विभागों के लिए बनाट अरुग-अरुग (वसाना के तर्ण बनाए गर हैं। संस्थान को कार्यों की स्वीकृति शासी निकाय से प्राप्त करना आवस्यक होगा। किसी भी अन्य योजना से प्रारंभ की गई, कार्य को इस राहित से पूरी नहीं की जाएंगी। टीबी की जांच के लिए लगी मशीन, शवगृह का होगा जीर्णोद्धार

परना। आईजीआईएमएस में शनिवार से और पांच नई सुविधाओं का उद्घटन और एक योजना का शिलान्यस राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने किया। उन्होंने कहा यहां टीबी जांच के लिए एलपीय मस्त्रीन लगाई मुँ है। यह बिहार के सरकारी अम्पताल में चौधी मस्त्रीन है। टीबी के प्रतिक को मस्त्रीन बता देगी उसे केन सी द्वा चलेगी। संस्थान में शब को एसी शबगृह में रखने की व्यवस्था की गई है।



मंत्री ने कहा कि अईजीआईएमएस में ऑक्सीजन की कभी नहीं होगी। यहाँ अब ऑक्सोजन को कमी नहीं होगी। यहाँ अब पीएसए (स्विकड नाइटीजन एनंट) मारीन की अवस्था कर दी गई है। सस्थान के निदेशक डॉ. एनआर विश्वास ने कहा कि अपने कार्यकरन में कोशिश की मरीजों के उच्च गुगयसका के साथ बेहतरीन इलाज व्यवस्था सस्ते द ए प्र मुहैया कराई जहां। यहां गर्स्स होस्टल, माइकोसप्योजनीजी विभाग का प्रवर्णिय लेब, शागुह भवन, पीएसए आधारित औक्सीजन उत्पादन संयंत्र, अभियंत्रण शाखा का भेडार भवन को उद्यादन हुआ। शाखा का भंडार भवन का उडाटन हुआ।

का हुआ शिलान्यास

की दुआ । श्रिरपार्थ्यास्त्रं केंद्रीय यहा अस्य स्थान का किल्यान्य स्थानका मंत्री ने किल्या । यहां अस्य पीरसम् (निविचक नाइट्रोजन एलाट) मरीन की व्यवस्था कर ये गई है। मेडिकल मुर्पार्टिट्ट हो, मनीन मंडल के मुर्पार्थिक केंद्रीय यहां असा भवन का शिलानसार हुआ। इस भवन में स्थान के लिए विभिन्न पशुओं को स्थान का शिलानसार हुआ। इस भवन महास्त्रक के लिए विभिन्न पशुओं हो।

म रिसंच के टिए जिंचन जल्द ही बनक तैयार हो जाएगा। जानको पर शैक्षणिक शोध किया जाएगा व्यक्ति बीमारियों के

इलाज में नई दवा का खोज किया जा सके।

घंटे मिलेगी सप्लाई

घटे मिलंगी सप्ताइ प्रारंकिक मेडिसन विष्णा में रावपृत्त का जीणोंद्वार कर नया बनाय गाय है। अब्य यहां एक बार में दस मणी को कई दिनों तक सुर्वधत रखा जा सकता है। एक एक हजार एसपीए के दो ऑक्सीजन प्लंड उद्धान्त हुआ। एक प्लांट पर 12 करोड़ को लागत जाई है। इससे 24 पंटे ऑक्सीजन सरलाई योगा। बार्से महिला छात्राजास के निर्माण 1.6 करोड़ रूपर खर्च किए गए हैं। हॉस्टरल में 100 बाँड़ को व्यवस्था है। इसके अलावा माइकोबयोगलेजी विभाग में लावन घोष पस्से (एसपीए) मासीन का भी स्वास्थ्य मंत्री ने उद्धान किया। उद्घटन किया।

आइओआइएमएस में विभिन्न योजनाओं का उदघाटन और शिलान्वास, मंत्री वोले -इससे मरीवों को हो कायदा

GIM

पर होगा जानवरों 1

शैक्षणिक शोध

पांच सुविधाओं का किया गया उदघाटन



टीबी है या नही चलेगा व

सुपरिटेंट डॉ माीष मंडल ने बताय कि 1.6 करोड़ रुपये की लागत से मोहल छत्रावास का जोजाँबर किया गया प्रति लाट 1.2 करोड़ रुपये की लगता से बनाया गया है. उन्होंने बताया कि संस्थान में देशि मुरीओ के इत्हाज की आधुनिक सुविधा उपलब्ध हैं, ऐसे में अब एचीए महीन के आ जाने से समय ए रक्षण का पता जा जाया।, जबकि अब तक टीबी के लक्षण जानने के लिए एक से तीन हिन का समय वंशात बा. नयी महीन से उप महीन घट भर में जाव कर दीनी के लक्षण को बता देगी. कार्यक्रम के मौक पर विधायक सुनीय धारित्रया, पर विधायक सुनीय धारित्रया, संस्थान के निसंस्था और प्रजास देखित अस्ताता के मान्युह थे. आइजीआइएमएस के मेडिकल सुपरिटेंड हॉ मनीष मंडल ने बताया कि 1,6 करोड़ रुपये की

वा का किस बीमारी होगा. इन सब की ए आइजीआइएमएस ती हैं. ऐसे में रिसर्च का दायरा बढ़ाने लिए संबंधित जानवरों के परिसर ्शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री ह्य ने केंद्रीय पशु आवास के लिए जानकर एक साथ परिसर में ह मवन दो मजिला होगा, जो अगले डे साल के अंदर बन कर तैवार हो जायेग इंतजाम किया जावेग रिसर्च जारी है. रिसर्च चूहे, गिलहरी, खरगोश, बिल्ल छोटे जानवरों को पहले दवाएँ आप गोरवा खा रहे वह कितनी का है, दवा का सहड इफेक्ट तो होगा, कौन-सी दवा का किस बी । सही इस्तेमाल होगा. इन सब ानकारी के लिए आइजीआइए 5 फॉरीसेंक व फार्माकोलांजी वि पाडेय ने संद्रीय मवन का शिलान्यास ि मवन वो मजिला होगा, इसके बाद यहां काफी में ही रहने से हैं 部市 to Hert. में सही इस

करना पड़ रहा था. लेकिन शव गृह बन जाने से अब शह को गृह में रहने के लिए सगह मिल जायेगी. कहा कि कोरोना आदि गेभीर मरीजों के मीत के बाद परिजनों को शव तत्कार ले जाने में काफी परेशानियों का सामन वहीं उद्घाटन भाषण में स्वास्थ्य मंत्री

भिलान्यास के अलावा स्वास्थ्य मंत्री ने पांच नयी सुविधाओं का उद्घाटन किया. इसमें फरीसिंक विभाग में शव गक्त हो अधिसीजन प्लांट, महिला माट, **पांव नयी तुविधाओं का उद्घाटन** शिलान्यास के अलावा स्वास्थ्य मे 田田 आक्सीजन

Minister lays stone for animal house at IGIMS

2 More Pressure Swing Adsorption O2 Generating Plants Made Functional

VK Tripathi

Health Mangal Pandey on Saturday laid the foundation stone for construction of an animal houseat IGIMS for the purpo-se of medical research. Animal house is mandatory as per the National Medical Commission guidelines for all medical colleges.

At IGIMS, it will have rats, rabbits, monkeys, wild pigs and those other varieti-es required by the medical re-searchers for trial of drugs and their effect on animals' genetic makeup.

Describing it as a great

initiative. Pandey said the state government has regu-larly been working to streng-then the health system in me-



dical colleges to primary he alth centres and now has mo ved to promote medical research at IGIMS. Trial on animals could lead to new findings on drugs and their

effects, he said.

The minister also inaugurated two PSA oxygen plants there, each of 1000 LPM capacity, installed under PM CA-

The health minister opened a storehousecum-workshop for the engineering section of the institute for repair and maintenance of machines, furniture, and electrical appliances

RES Fund. He said these plants would make IGIMS wholly self-dependent for its total oxygen requirement. Pandey also inaugurated the renovated forensic medi-cine department and the de-

cine department and the de-veloped mortuary with deep freezer facility for preserva-tion of ten bodies at a time. IGIMS medical superin-

tendent Dr Manish Mandal tendent Dr Manish Mandal said the existing mortuary had space for preserving four bodies only and it appeared insufficient in case of larger number of casualties and delay in receiving the bodies by their kin for any reasons. The Covid waves had wit-

The Covid waves had witnessed several casualties in a day, thus creating problems for the IGIMS administration to preserve the bodies in proper conditions.

The health minister also inaugurated a line probe assay machine in the microbional description of the problems of

logy department. He said this machine would prove very useful in testing of drug resistant TB samples by reve-aling the most suitable drug with assured recovery wit-hin lesser periods. Dr Mandal said the ani-malethical committee has al-ready approved it at IGIMS and veterinary doctors and staff have been recruited for proper upkeep of the ani-mals. The genome sequen-cing lab of the institute wo-uld also coordinate in the re-search work by carrying out search work by carrying out investigations on the genome

of test animals.

The minister also inaugurated a storehouse-cumworkshop for the engineering section of the institute for repair and maintenance of machines, furniture and electrical appliances.

IGIMS director Dr NR Biswas, deputy director Dr VP Sinha, principal Dr Ranjit Guha and others were also present on the occasion. of test animals.

